श्री दीवान कृष्ण किशोर
सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी-133001

(केन्द्रीय-संस्कृत-विश्वविद्यालयद्वारा सञ्चालित:)

संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः

(04/08/25-11/08/25)

04/08/25 उद्घाटनसत्रम् (10.00-11.00 पूर्वाह्णं)
संस्कृतनिबन्धप्रतियोगिता (11.30 वादनतः)

05/08/25 शोभायात्रा (10-00 वादनतः)
संस्कृतव्लॉगनिर्माणप्रतियोगिता (08/08/25 पर्यन्तं प्रेषणीयम्)
कुलगीतस्य अभ्यासः (11-30 वादनतः)

06/08/25 विशिष्टव्याख्यान- प्रो. आशुतोषआंगिरस (ऑनलाइन 10-00 वादनतः)
गीतापाठः/ योगसूत्रपाठप्रतियोगिता (10-30 वादनतः)

07/08/25 संस्कृतनृत्यप्रतियोगिता (10-00 वादनतः)
संस्कृतप्रदर्शनी/ रंगवल्लीप्रतियोगिता (11-30 वादनतः)

08/08/25 संस्कृतश्लोकगायनप्रतियोगिता (10-00 वादनतः)
संस्कृतगीतप्रतियोगिता (सामूहिकम्/ एकलं) (11-30 वादनतः)
संस्कृतकाव्यपाठः/ सुभाषितकंठपाठप्रतियोगिता (12-30 वादनतः)

11/08/25 समारोपकार्यक्रमः पुरस्कारवितरणञ्च। (10.00-12.00 पूर्वाह्णे)

समायोजकः- प्राचार्यः

संस्कृतसप्ताहस्य सम्पूर्तिसत्रम् (11/08/25)

(10.00-11.00 पूर्वाह्णं)

विविधाः कार्यक्रमाः

1. दीपप्रज्वालनम्
2. वैदिकमङ्गलाचरणम्
3. लौकिक मङ्गलाचरणम्
4. कुलगीतम् (छात्रैः)
5. मुख्यातिथीनाम् स्वागतम्- डॉ. अशोककुमार मिश्रा
6. स्वागतगीतप्रस्तुतिः- प्रेम पाण्डेय
7. मुख्यातिथीनाम् उद्बोधनम्
8. प्राचार्यमहोदयानाम् उद्बोधनम्
9. धन्यवादज्ञापनम्- डॉ. नितिन जोशी
10. पुरुस्कारवितरणम् घोषणा- डॉ. बुद्धिवल्लभ देवराड़ी
11. शान्तिमन्त्रं राष्ट्रगानञ्च

सत्रसञ्चालिका- डॉ. रेणू वत्स

समायोजकः-प्राचार्यः

श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज अम्बाला छावनी-133001

(केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा सञ्चालित)

सत्र-2025

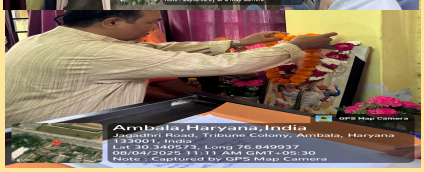

श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन 04 अगस्त को हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि डॉ.कामदेव झा, पूर्व प्राचार्य डी.ए.वी. कॉलेज पेहवा, कुरुक्षेत्र ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढाया। वैदिक मंगलाचरण व लौकिक मंगलाचरण श्यामप्रकाश, दीपांशु तथा प्रेम ने डॉ.मनीष भारद्वाज वेदविभागाचार्य के मार्गदर्शन में किया। संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत दिनांक 05 अगस्त को छात्रों तथा कॉलेज के समस्त सदस्यों ने मिलकर संस्कृत गीत आदि गाकर शोभायात्रा निकाली। 05 अगस्त को 1 बजे संस्कृतनिबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथमस्थान पर श्यामप्रकाश दितीय मोहिनी व तृतीय अनुज शर्मा रहे। प्रतिदिन कुलगीत का अभ्यास डॉ. बुद्धिवल्लभ देवराड़ी साहित्याचार्य के द्वारा कराया गया। 06 अगस्त को प्रो. आशुतोष आंगिरस का आभासीय माध्यम से **संगणक के क्षेत्र में संस्कृत की उपयोगिता व अनुप्रयोग** विषय पर व्याख्यान कराया गया तदनन्तर गीतापाठ और योगसूत्रपाठप्रतियोगिता 10-00 बजे आयोजित की गयी। गीतापाठ प्रतियोगिता में 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया प्रथम प्रेम पाण्डेय द्वितीय आलोक तथा तृतीय स्थान शिवम कुमार ने प्राप्त किया। योगसूत्रपाठप्रतियोगिता में 2 विद्यार्थियों ने भाग लिया कार्तिक प्रथम और प्रेम पाण्डेय द्वितीयस्थान पर रहे। 07 अगस्त को संस्कृतप्रदर्शनी एवं रंगोली प्रतियोगिता 11-30 बजे आयोजित की गयी। संस्कृतप्रदर्शनी प्रतियोगिता में यशवर्धन ने प्रथम, मोहिनी ने द्वितीय तथा अनुज शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वेदाक्षी, द्वितीय मोहिनी और तृतीय स्थान कोमल को प्राप्त हुआ। 08 अगस्त को 10-00 बजे संपन्न हुई श्लोकगायन प्रतियोगिता में 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया प्रथम प्रेम पाण्डेय, द्वितीय श्यामप्रकाश तथा तृतीयस्थान शिवम ने प्राप्त किया। 11-30 बजे आयोजित संस्कृतगीतप्रतियोगिता में 6 विद्यार्थियों में से गुरुकुल के छात्र परमजीत, नवीन, गीतेश ने सामूहिक प्रस्तुति में प्रथम, द्वितीय राहुल, तृतीय स्थान विशेष ने प्राप्त किया। 12-30 बजे आयोजित संस्कृतकाव्यपाठ प्रतियोगिता में कोमल प्रथम रही। संस्कृतव्लॉगनिर्माण प्रतियोगिता में

श्यामप्रकाश प्रथम व अनुज शर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। संस्कृत सप्ताह का समापन 11 अगस्त को हुआ, जिसमें मुख्यातिथि डॉ. चन्द्रकुमारझा सहयकाचार्य एम पी एन कॉलेज, मुलाना अम्बाला रहे और उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए सत्यकाम, नचिकेता, आरुणि व उद्दालक इत्यादि ऋषियों के उदहारण देते हुए भारतीयसंस्कृति से परिचित कराया । कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विष्णुदत्त शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल पूजापाठ की भाषा नहीं है अपितु आयुर्वेद, मौसम विज्ञान, खगोलविज्ञान, कृषि, प्रोद्योगिकी, न्यायव्यवस्था, चित्रकला, और संगीत आदि विद्याओं का मूल स्त्रोत है । कार्यक्रम में सत्रसञ्चालन डॉ. रेणु वत्स साहित्याचार्य द्वारा किया गया । कार्यक्रम में स्वागतभाषण व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार मिश्रा ने किया। वरिष्ठाचार्य ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. श्यामनाथ झा द्वारा छात्रों को आशीर्वचन प्रदान किये गए। डॉ. नितिन जोशी वेदाचार्य ने धन्यवादज्ञापन किया। डॉ. मनोज कुमार दुबे हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. गगनदीप सिंह अंग्रेजी विभाग, डॉ. वीरेन्दर प्रकाश कम्प्यूटर प्रशिक्षक, डॉ. मनीष भारद्वाज वेद एवं योगतत्व मर्मज्ञ, आदि संकायसदस्य सहयोगी रूप में उपस्थित रहे । श्री कमलेश पुस्तकालय अध्यक्ष, श्री राहुल, सुश्री कोमल, श्री गुरमीत, श्रीरामयश, श्री रजत व सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। डॉ. बुद्धिवल्लभ देवराड़ी साहित्याचार्य द्वारा पुरुस्कारों की घोषणा की। कार्यक्रम का समापन शान्तिमन्त्र व राष्ट्रगान के साथ किया गया ।

प्रतिवेदन-डॉ. रेणूवत्स

समायोजकः-प्राचार्यः

अम्बाला केसरी

12 AUGUST 2025

Tuesday

कॉलेज में किया संस्कृत सप्ताह का आयोजन

अम्बाला, 11 अगस्त (बलराम): अम्बाला छावनी स्थित श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ मुख्यातिथि डा. कामदेव झा, पूर्व प्राचार्य डी.ए.वी. कॉलेज पेहवा कुरुक्षेत्र आदि ने किया।

संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत शोभायात्रा निकाली गई तथा संस्कृत निबंध, संस्कृत व्लॉग निर्माण, गीतापाठ, योग सूत्रपाठ प्रतियोगिता, संस्कृत प्रदर्शनी, रंगवल्ली, संस्कृत श्लोक गायन प्रतियोगिता इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्कृत सप्ताह का समापन सोमवार को हुआ, जिसमें मुख्यातिथि डा. सीके झा सहायकाचार्य एम.पी.एन. कॉलेज अम्बाला रहे। कार्यक्रम की संचालिका डा. रेनू वत्स रही। कार्यक्रम में ज्योतिष विभागाध्यक्ष डा. श्यामनाथ झा, व्याकरण विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार मिश्रा, डा. मनोज कुमार दुबे, डा. नितिन जोशी, डा. बुद्धिवल्लभ, डा. मनीष भारद्वाज, डा. वीरेन्दर प्रकाश, डा. गगनदीप सिंह, कमलेश, राहुल, कोमल, गुरसीत सिंह, श्रीराम, यश, रजत व सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति।

कॉलेज के प्राचार्य डा. विष्णुदत्त शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल पूजापाठ की भाषा नहीं है अपितु आयुर्वेद, मौसम विज्ञान, खगोल विज्ञान, कृषि, प्रोद्योगिकी, न्याय व्यवस्था, चित्रकला और संगीत आदि विद्याओं का मूल स्त्रोत है। स्पर्धाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार प्रदानकर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का समापन शांतिमंत्र और राष्ट्रगान गाकर किया गया।